

पाठ -2

‘बचपन’

प्र०१ पठित गार्डांश (बहुविकल्पीय प्रश्न)

हमारे बचपन की कुलफी आईसक्रीम हो गई है। कचोड़ी-समोसा, पैटीज़ में बदल गया है। शहतूत और फालसे और खसखस के शरबत कोक-पेप्सी में। उन दिनों कोक नहीं लेमनेड, विमटो मिलती थी। शिमला और नयी दिल्ली में बड़े हुए बच्चों को वेंगर्स और डेविको रेस्टराँ की चॉकलेट और पेस्ट्री मज़ा देने वाली होती थी। हम भाई-बहनों की ड्यूटी लगती शिमला माल से ब्राउन ब्रेड लाने की।

1) हमारे बचपन की कुलफी किस चीज़ में परिवर्तित हो गई है ?

- क) कुलफी ख) आइसक्रीम ग) रमबॉल घ) केक

उत्तर

2) शहतूत और फालसे के शरबत की जगह अब क्या मिलता है ?

- क) स्कॉवैश ख) रसना ग) कोक घ) जूस

उत्तर

3) वेंगर्स और डेविको रेस्टराँ की कौन-सी वस्तु मजेदार थी ?

- क) गोल-गप्पे ख) बर्गर ग) सैंडविच घ) पेस्ट्री

उत्तर

4) शिमला माल से कौन सी चीज़ लायी जाती थी ?

- क) ब्राउन ब्रेड ख) रोटी ग) इडली घ) पास्ता

उत्तर

5) बचपन का विलोम लिखें।

- क) बचपना ख) बुढ़ापा ग) बच्चे घ) अबचपन

उत्तर

2 एक पंक्ति में उत्तर लिखें -

1) ‘बचपन’ पाठ की लेखिका का क्या नाम है ?

उत्तर

